मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के समाज कार्य विभाग ने निम्न आय वर्ग की किशोरियों के लिए किया विश्वविद्यालय भ्रमण का आयोजन

नई दिल्ली, 26 जून, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के समाज कार्य विभाग और डीन छात्र कल्याण कार्यालय ने 24 जून, 2025 को 'अंकुर सोसाइटी फॉर अल्टरनेटिव्स इन एजुकेशन' के सहयोग से कम आय वाले इलाकों की 20 किशोरियों का विश्वविद्यालय में भ्रमण आयोजित किया।

खिचड़ीपुर, सुंदर नगरी और जाफराबाद में रहने वाली इन किशोरियों की उम्र 15 से 19 वर्ष के बीच थी और उनकी शिक्षा का स्तर 10वीं से 12वीं कक्षा के बीच था। अंकुर के युवा समूह का हिस्सा रही ये लड़कियां भविष्य में शैक्षणिक अवसरों की खोज करने और विश्वविद्यालय परिसर में भ्रमण करने के लिए उत्सुक थीं। प्रस्तावित उद्देश्यों और प्रतिभागियों की अपेक्षाओं की पृष्ठभूमि में पूरे दिन के भ्रमण की योजना बहुत सावधानी से बनाई गई थी, ताकि उन्हें शैक्षणिक अवसरों और सहायक सुविधाओं से परिचित कराया जा सके।

दिन की शुरुआत जामिया के समाज कार्य विभाग के सेमिनार कक्ष में हुई, जहाँ प्रतिभागियों का डॉ. रिशा बरुआ ने गर्मजोशी से स्वागत किया, उसके बाद उनका संक्षिप्त परिचय दिया गया। प्रतिभागियों ने अपनी वर्तमान शैक्षिक गतिविधियों, अपनी आकांक्षाओं और एक्सपोज़र विजिट से अपनी अपेक्षाओं के बारे में बात की। इसके बाद, समाज कार्य विभाग की प्रमुख प्रो. नीलम सुखरामानी ने प्रतिभागियों के साथ जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इतिहास को साझा किया और उन विचारों और मूल्यों पर जोर दिया, जिनके कारण यह ऐतिहासिक विश्वविद्यालय उभरा और आज भी इसके कामकाज का आधार बना हुआ है। विश्वविद्यालय के बारे में एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक छोटे से तंबू से लेकर देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शुमार होने तक के सफ़र को दिखाया गया। प्रतिभागियों के साथ विश्वविद्यालय और विशेष रूप से समाज कार्य विभाग में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रमों के संबंध में पात्रता मानदंड, प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यचर्या घटकों को साझा किया गया। बहुत ही प्रेरणादायक चर्चा के बाद, अंकुर- सोसाइटी फॉर अल्टरनेटिव्स इन एजुकेशन की निदेशक, सुश्री शर्मिला भगत ने दर्शकों को संबोधित किया और एक्सपोज़र विजिट की पृष्ठभूमि को दोहराया जो शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण के संगठनात्मक विश्वास में निहित है। उन्होंने अंकुर द्वारा निम्न आय वाले इलाकों या जिन्हें वे समुदाय भी कहते हैं, जहाँ अर्थव्यवस्था के अनौपचारिक क्षेत्र में रहने वाले लोग रहते हैं, उसमें की जा रही पहलों के बारे में बात की। इसके बाद, पाँच छात्र जो वर्तमान में समाज कार्य में बीए ऑनर्स और समाज कार्य में पोस्ट ग्रेजुएट कर रहे हैं, उन्होंने कोर्स में शामिल होने से पहले और कोर्स के दौरान अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनकर अपने द्वारा अनुभव किए गए परिवर्तन के बारे में बात की। छात्रों में से कुछ बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आए थे, उन्होंने अपने कष्टों और क्लेशों के बारे में बात की और उन तरीकों के बारे में बताया जिनसे उन्होंने उनसे उबरने की कोशिश की। प्रतिभागियों ने साझा अनुभवों से जुड़ाव महसूस किया।

इसके बाद युवा समूह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों का दौरा किया, जिसका समन्वय डीन, छात्र कल्याण कार्यालय– नवाचार और उद्यमिता केंद्र, प्रेमचंद अभिलेखागार और साहित्य केंद्र, केंद्रीय पुस्तकालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर और विश्वविद्यालय के खेल परिसर द्वारा किया

गया। पूरे एक्सपोजर अभियान के दौरान युवा समूह अत्यधिक प्रेरित था और उन्होंने बताया कि यह अनुभव अत्यधिक उत्साहवर्धक और विचारोत्तेजक था। प्रतिभागियों के कुछ कथन इस बात का प्रतिबिंब हैं कि उनके लिए एक्सपोजर यात्रा का क्या अर्थ था, "यहां तो आके रहूंगी', "पढ़ भी नहीं पाई तो कम से कम देख लिया', "काश यह कार्यक्रम दो दिन का होता'। प्रतिभागी विश्वविद्यालय से पूरी तरह अभिभूत थे। उन्होंने प्रत्येक स्थान पर विस्तृत नोट्स लिए, जो इस अवसर को अधिकतम करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। कार्यक्रम की पृष्ठभूमि तैयार करने, सभी संबंधित पक्षों से समन्वय स्थापित करने और प्रतिभागियों को आरामदायक अनुभव प्रदान करने में डॉ. रिशा बरुआ और श्री असरारुल हक जिलानी के अथक प्रयासों ने स्पष्ट रूप से काम किया। प्रोफेसर नीलोफर अफजल के नेतृत्व में डीन छात्र कल्याण कार्यालय की टीम ने युवा प्रतिभागियों के लिए सीखने के सभी संभावित अवसरों को जुटाया था। डीन छात्र कल्याण कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री मकसूद आलम ने प्रतिभागियों को एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विभिन्न कार्यालयों के साथ समन्वय किया, जिनके लिए विश्वविद्यालय आना किसी सपने से कम नहीं था। सामाजिक और आर्थिक प्रतिकूलताओं से जूझते हुए भी इस मुकाम तक पहुंचने के बाद, इस अनुभव ने इन लड़कियों के लिए भविष्य के अवसरों के द्वार खोल दिए। विश्वविद्यालय में आने के उत्साह और परिस्थितियों से पीछे न हटने की दृढ़ इच्छा के साथ दिन का समापन हुआ।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, जेएमआई